



## 9. समझाइए तो जरा

1. फिर पलकों से कुछ सितारे टूटकर दूधिया आँचल में समा जाते हैं।

उत्तर:- लाहौर की याद में सिख बीबी इतनी भावुक हो उठी कि उसकी आँखों से आँसू निकलकर उसके सफ़ेद मलमल के दुपट्टे पर टपक पड़े।

2. किसका वतन कहाँ है — वह जो कस्टम के इस तरफ़ है या उस तरफ़।

उत्तर:- भारत लौटते समय सफ़िया अमृतसर के पुल पर चढ़ती हुई यह सोच रही है कि पाक कस्टम अफसर दिल्ली को तथा भारतीय कस्टम अफसर ढाका को अपना वतन बताता है जबकि ये दोनों ही अलग देशों में रहते हैं। इनका मन तो अपनी जन्मभूमि है पर कार्यक्षेत्र व निवास कहीं और जैसे कहीं कोई सामंजस्य नहीं है।

• पाठ के आसपास

1. 'नमक' कहानी में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान में रहने वाले लोगों की भावनाओं, संवेदनाओं को उभारा गया है। वर्तमान संदर्भ में इन संवेदनाओं की स्थिति को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:- 'नमक' कहानी में हिन्दुस्तान-पाकिस्तान में रहने वाले लोगों की भावनाओं, संवेदनाओं को उभारा गया है। आज के संदर्भ में स्थिति में काफी परिवर्तन हो चुका है विभाजन के समय वाली पीढ़ी अब समाप्त हो चुकी है अब उसका स्थान उस पीढ़ी ने ले लिया है जिसका जन्म इसी देश में हुआ है। उनके जेहन में विभाजन की कड़वी यादें न के बराबर हैं इसलिए अब भावनात्मक तौर पर दोनों देशों में लगाव पहले की तुलना में घट गया है परन्तु वर्तमान में भी देश के राजनैतिक संबंध, सांस्कृतिक संबंध, सियाचीन कश्मीर का मुद्दा आदि के तौर पर अभी दोनों देशों के बीच तनाव व्याप्त है। अभी भी संबंधों में मधुरता लाने के कई प्रयास किए जाने चाहिए।

**2. सफ़िया की मनःस्थिति को कहानी में एक विशिष्ट संदर्भ में अलग तरह से स्पष्ट किया गया है। अगर आप सफ़िया की जगह होते/होतीं तो क्या आपकी मनःस्थिति भी वैसी ही होती? स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:-** सफ़िया की और मेरी मनःस्थिति में खास अंतर न होता मैं सीधे तौर पर अपनी भावनाएँ व्यक्त कर देता और सफ़िया की तरह ही मैं भी अपनी माँ के लिए लाहौरी नमक लाने का हरसंभव प्रयास करता।

**3. भारत-पाकिस्तान के आपसी संबंधों को सुधारने के लिए दोनों सरकारें प्रयासरत हैं। व्यक्तिगत तौर पर आप इसमें क्या योगदान दे सकते/सकती हैं?**

**उत्तर:-** भारत-पाकिस्तान के आपसी संबंधों को सुधारने के लिए व्यक्तिगत तौर पर मैं निम्न प्रयास करूँगा।

- 1.** पिछली सभी कड़वी बातों को भुलाने का प्रयास करूँगा।
- 2.** जहाँ तक हो सके मैं पाकिस्तान देश की आलोचना करने से अपने आप को रोकने का प्रयास करूँगा
- 3.** देश में आए पाकिस्तानी नागरिक को इतना मन-सम्मान दूँगा जिससे कि वह भारत देश की मीठी यादें लेकर अपने देश जाए।

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*